نہیں ہیں - میں ان سے پرزور مطالبہ کرنا چاہتا ہوں کہ پبلک سیکٹر کے وزیر فائنانس جتنے ہمارے نیشنلائزڈ بینک ہیں انکو یہ ہدایت دیں کہ جو کچھ مائنارٹیز فائنانس کارپوریشنس ہیں ۲۰ پرسینٹ یا مارجنل اماؤنٹ منظور کرتی ہے باقی ۸۰ پرسینٹ بھی وہ انہیں اداروں کو بینکرس دیں اور انکے ساتھ پورا پورا تعاون کریں -]

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): Sir: I have a point of order. The whole House is empty and the Minister is sleeping. So, whom do we address?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): To the Chair.

SHRIMATI KAMLA SINHA: But the Government also has to hear. The Minister is sleeping. (*Interruptions*) Nobody is here to .....(*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): Now the purpose is served.

SHRI ISH DUTT YADAV (Uttar Pradesh): He is not sleeping. He is sitting and noting down your suggestions. The Minister is concentrating on the topic.

Need for Supply of Baby Food, Medicines, etc. to Iraq by Non-Government Organisations

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to raise a very urgent issue for the world and for the immediate consideration of the Government. Sir, the war in the Gulf has now stopped. Meanwhile inhuman devastation has taken place in Iraq because of the savagery and brutalities of the U.S. Government and their allies. Civilian population of uncounted number has been the victim of devastating, round-the-clock bombing and shelling on civilian and military targets. It is reported that many hospitals, schools, nurseries, baby food producing factories have been pounded.

Now, after the guns have stopped booming, it has become extremely urgent to provide relief to the war victims of Iraq. Most unfortunately because of the revengeful attitude of U.S. Government and their supporters the Security Council has still maintained the economic sanctions againsnt Iraq. This will further aggravate the plight of the war-ravaged Iraqi population. It is reported that the Government of India is sending some medicines and other relief materials to Iraq. Similarly, many non-Government organisations, students and youth organisations, etc., are also taking initiative to collect blood, medicines, baby foods, etc., for sending them to Iraq. But for that it is necessary that Government set up a suitable machinery to help those organisations so that they are able to send the relief materials to Iraq. Without Government assistance it is very difficult to send unofficial relief materials. I request the Government to act promptly in the matter. Thank you.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I think the issue raised by the hon. Member is a very important issue. I think the Government will take note of it.

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI ASHOKE KUMAR SEN): I have noted it and I will pass it on to the External Affairs Minister.

Need to ban advertisement on Doordarshan, encouraging dowry

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारा दूरदर्शन किस तरह से दहेज के पक्ष में काम कर रहा है, मैं अपने विशेष

उल्लेख के जरिये इस ओर सरकार का और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं । दूरदर्शन पर अक्सर टाटा की जेमिनी चाय का विज्ञापन प्रसारित होता है । इस विज्ञापन में घर की नई नवेली बहू से सास कड़क चाय की मांग करते हैं तो सास जायकेदार चाय की मांग करती है, पति देव अपने लिए स्पैशल मसालेदार चाय की मांग करते हैं तो बेचारी छोटी-सी ननद सकते में आ जाती है और भाभी से पूछती है कि आप इतनी सारी फरमायशों को कैसे पूरा करोगी । लेकिन भाभी के चेहरे पर कोई सिकन नहीं आती है । भाभी विश्वास के साथ कहती है कि चिन्ता की कोई बात नहीं है । मैं अपने मायके से टाटा की जेमिनी चाय जो लाई हूं । चाय की विशेषता यह नहीं है कि वह टाटा की जेमिनी चाय है । उसकी विशेषता यह है कि वह मायके से लाई गई है । हमारा दूरदर्शन सीधे-सीधे दहेज के पक्ष में किस प्रकार से विज्ञापन दे रहा है उसकी ओर मैं ध्यान दिलाना चाहती हूं । पी० सी० जोशी कमेटी से लेकर वर्गीय कमेटी ने अपनी ढेर सारी रिपोर्टों में यह सिफारिश की थी और खास तौर से पी० सी० जोशी कमेटी ने अपनी सिफारिश में यह कहा है कि महिलाओं को समानता का अधिकार दिलाने के लिए दूरदर्शन को सचेष्ट रूप से कार्यक्रम बनाने चाहिए । लेकिन मुझे लगता है कि हमारा दूरदर्शन सचेष्ट रूप से महिलाओं के विपक्ष में काम कर रहा है जो इस विज्ञापन के जरिए से होता है । मैं यह कहना चाहती हूं कि क्या इतनी-सी बात हमारे दूरदर्शन के अधिकारियों की समझ में नहीं आती है ? कहने के लिए हमारे दूरदर्शन के अधिकारी यह कह सकते हैं कि यह विज्ञापन का मामला है, इससे राजस्व का सवाल जुड़ा हुआ है ।

मैं कहना चाहती हूं कि विज्ञापन के मामले में भी दूरदर्शन की स्पष्ट आचार-संहिता बनी हुई है और उस स्पष्ट आचार संहिता में यह कहा गया है कि दूरदर्शन से किसी भी ऐसे विज्ञापन को प्रसारित नहीं किया जाएगा जो हमारे संविधान की मान्यताओं, लक्ष्यों और प्रावधानों के विरुद्ध जाता हो । मैं समझती हूं कि हमारे संविधान में दहेज का समर्थन नहीं किया गया है, बल्कि दहेज कानूनन जुर्म है । मैं अपने इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार से यह अपील करना चाहती हूं कि दूरदर्शन से दहेज के पक्ष में ये जो विज्ञापन दिया जा रहा है, इसको तत्काल बंद किया जाये और वे अधिकारी जो जानबूझकर या अनजाने में इस तरह के विज्ञापन प्रसारित कर रहे हैं उनके चंगुल से हमारे दूरदर्शन के विज्ञापन विभाग को मुक्त किया जाये । धन्यवाद ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I hope Vajpayeeji would have something to say.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : मैं आशा करती थी कि वाजपेयी जी इसका समर्थन करेंगे ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैं उनकी तरफ से इसका समर्थन करता हूं । लेकिन महोदय, यह नहीं बताया गया कि कितने ट्रक भरकर चाय के डिब्बे दहेज में आए होंगे । हो सकता है कि एक डिब्बा आया हो । खैर, दहेज विरोधी सभी है । यह मैं इसलिए नहीं कह रहा हूं कि मैंने शादी नहीं की । मैं वैसे भी इसका विरोध करता हूं । दहेज नहीं होना चाहिए यह बात सच है अगर यह विज्ञापन बदल लें तो अच्छा होगा । इसमें थोड़ा संशोधन कर सकते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): I felt Vajpayeeji would respond to this.

Invitation to Indians by Hatton National Bank of Sri Lanka to open secret accounts

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) उपसभाध्यक्ष मननोदय, इससे पहले कि मैं अपने विशेष उल्लेख का जिक्र करूं मैं फिर से आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगी कि आज इस सदन में संसदीय